म्हारी सोवनी चीडी काया रो कारीगर तने फुटरी घड़ी

म्हारी सोवनी चीडी,
म्हारी रुपा री चीडी,
काया रो कारीगर,
तने फुटरी घड़ी।bd।

नौ दस मास गरब मे रही,
तु नरगा री घुरी,
बाहर आय राम न भुलो,
राम री पुरी,
मारी सोवनी चीडी,
मारी रुपा री चीडी,
काया रो कारीगर,
तने फुटरी घड़ी।bd।

नो दस मास घड़ता लागा,
हद सु हद घड़ी,
रु रु जोड़ा तील तील सादा,
तारा बीच जड़ी,
मारी सोवनी चीडी,
मारी रुपा री चीडी,
काया रो कारीगर,
तने फुटरी घड़ी।bd।

पाणी पिलाऊ चुगो चुगाऊ,
राखू हरी भरी,
ऐ चीड़कली पल पल मै,
थारी खबरा ले हु,
जाने कू बिसरी,
मारी सोवनी चीडी,
मारी रुपा री चीडी,
काया रो कारीगर,
तने फुटरी घड़ी।bd।

गुरु रे परताप सु,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सीरला जल सु तीरी,
रामानंद रा भणे कबीरा,
सत सग मे सुदरी,
मारी सोवनी चीडी,
मारी रुपा री चीडी,
काया रो कारीगर,
तने फुटरी घड़ी।bd।

म्हारी सोवनी चीडी,
म्हारी रुपा री चीडी,
काया रो कारीगर,
तने फुटरी घड़ी।bd।

प्रेषक – सुभाष सारस्वत काकड़ा।
मोबाइल 9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com